सहारा समाचार 24/Aug/

(16)

धड़ल्ले से हो रही हैं घरेलू गैस सिलेण्डरों की कालाबाजारी

(18)

ज्ञान प्रकाश
सहारा समाचार

नयी दिल्ली, 24 अगस्त। यमुनापार इलाके में होटलों, रेस्टोरेंटों तथा अन्य व्यावसायिक संस्थानों में अब भी धड़ल्ले से घरेलू रसोई गैस का इस्तेमाल हो रहा है। खाद्य व आपूर्ति मंत्री पूर्णिमा सेठी की सख्त चेतावनी का इस गोरख धंधे पर कोई फर्क नहीं पड़ा है। दूसरी ओर यमुनापार के ही कई इलाकों में उपभोक्ताओं को बुकिंग के 15 से 25 दिन बाद भी गैस नहीं मिल पा रही है।

व्यावसायिक संस्थानों को मिलने वाली गैस के दाम घरेलू कनेक्शनों के लिए दी जानें वाली गैस के दाम से करीब दुगुने पड़ते हैं इसलिए होटल, रेस्टोरेंट तथा व्यावसायिक संस्थान घरेलू सिलेण्डरों को ही खरीद लेते हैं। इसमें गैस एजेंसियों तथा उनके सिलेण्डरों की आपूर्ति से जुड़े लोगों की मिलीभगत रहती है।

गौरतलब है कि दिल्ली सरकार के माप तौल विभाग ने बीते दिनों ही कुल 140 गैस एजेंसियों की जांच की थी और इनमें से 40 को गड़बड़ी करते पाया था। होटलों, रेस्टोरेंटों तथा व्यावसायिक संस्थानों पर छापे मारकर करीब साढ़े सात सौ घरेलू सिलेण्डर जब्त किये गये थे। इस सारी कसरत के बावजूद घरेलू सिलेण्डर बेचे जाने के गोरख धंधे पर लगाम नहीं लग पायी है।

व्यावसायिक संस्थानों के लिए तेल कंपनियां 345 रुपये में 19 किलो के सिलेण्डर मुहैया कराती हैं। यह दरें घरेलू सिलेण्डर की दर से काफी ज्यादा हैं लिहाजा होटल, रेस्टोरेंट वाले सीधे गैस वितरकों और गैस सिलेण्डरों की आपूर्ति करने वालों से सम्पर्क बनाकर रखते हैं। यमुनापार में एक और किस्म की हेराफेरी हो रही है। साइकिलों पर लादकर गैस सिलेण्डर घरों पर ले जाने वाले कर्मी ये सिलेण्डर एक दो दिन के लिए होटल या रेस्टोरेंट पर छोड़ देते हैं। वहां एक दो दिन इस्तेमाल हो जाने के बाद ये कर्मी उन्हीं सिलेण्डरों को घरों में दे आते हैं। ऐसे उपभोक्ता इस हेराफेरी के आसानी से शिकार हो जाते हैं जो अपना सिलेण्डर तौल कर नहीं लेते।

सिलेण्डर व्यावसायिक संस्थानों को बेच दिये जाने का खामियाजा आम उपभोक्ताओं को भुगतना पड़ रहा है। उन्हें बुकिंग के 15 से 25 दिन बाद भी सिलेण्डर नहीं मिल पाते। गांधीनगर की श्रीमती राधावती (उपभोक्ता क्रमांक 686032) ने हिंदुस्तान पेट्रोलियम के डीलर के यहां गैस बुक करवायी और सिलेण्डर उन्हें एक माह बाद मिला। उनकी यह शिकायत भी आज तक दूर नहीं हो पायी कि हर बार सिलेण्डर में गैस कम होती है। वे शिकायती पत्र भी लिख चुकी हैं पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। 10 ए गणेशनगर विस्तार की राधिका ठाकुर (उपभोक्ता क्रमांक 694171) ने गैस बुक करवायी और सिलेण्डर उन्हें 36 दिन बाद भी नहीं मिला। इसी तरह न्यू चांद मोहल्ला रघुबरपुरा की श्रीमती अंजू (उपभोक्ता क्रमांक 14491) ने इंडियन आयल के प्रीत विहार स्थित अपने डीलर के यहां गैस बुक करवायी पर सिलेण्डर 17 दिन बाद भी उन्हें नहीं मिला है। 21 ए गणेशनगर के विजय (उपभोक्ता क्रमांक (681177) ने हिंदुस्तान पेट्रोलियम के प्रीत विहार स्थित डीलर के यहां जो सिलेण्डर बुक करवाया वह उन्हें 20 दिन बाद मिला।

इन और अन्य भुक्तभोगी उपभोक्ताओं ने जिला उपभोक्ता शिकायत निवारण आयोग में शिकायत दर्ज करवायी है। सबसे ज्यादा परेशानी का सामना उन उपभोक्ताओं को करना पड़ रहा है जिनके पास एक ही सिलेण्डर है। गैस एजेंसी वाले उन्हें टालते रहते हैं।

उपभोक्ताओं तक समय पर गैस की आपूर्ति नहीं हो रही और दूसरी ओर इसकी कालाबाजारी हो रही है। ब्लैक में इस समय सिलेण्डर 190 से 230 रुपये में बेचा जा रहा है। सड़कों पर ही साइकिलों पर गैस सिलेण्डर लादे कर्मी ऐसी सौदेबाजी करते आसानी से देखे जा सकते है।

नयी व्यवस्था से गैस की कमी दूर होने की आशा

नवभारत टाइम्स

गैस सिलेंडर देने की प्रक्रिय सरल बनाने की मांग

नगर संवाददाता
नई दिल्ली 25 जुलाई।

प्राप्त करने के लिए कई विभागों से अनापत्ति पत्र लेने पड़ते हैं। इस जटिल प्रक्रिया से बचने